उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश ने 8 गीगावाट सौर ऊर्जा परियोजनाओं पर सहयोग किया

चर्चा में क्यों?

हाल ही में, मध्य प्रदेश (MP) और उत्तर प्रदेश (UP) सरकारों ने **8 गीगावाट** (GW) **सौर ऊर्जा संयंत्र** विकसित करने के लिये साझेदारी की है, जो दो भारतीय राज्यों के बीच इस तरह का पहला महत्त्वपूर्ण **नवीकरणीय ऊर्जा** सहयोग है।

मुख्य बिंदु

- **सहयोग अवलोकन:**
  - उत्पादित बिजली को दोनों राज्यों के बीच साझा किया जाएगा, **जो हर छह महीने में** उनकी अधिकतम मांग के मौसम के अनुसार होगा।
  - **मध्य प्रदेश:** अधिकतम मांग **अक्तूबर से मार्च तक होती है,** जो रबी फसल के मौसम के साथ मेल खाता है।
  - **उत्तर प्रदेश** : अधिकतम मांग **अप्रैल से सितंबर के बीच होती है,** जो खरीफ फसल के मौसम के साथ मेल खाती है।
  - सौर ऊर्जा का वितरण मौसमी मांग पैटर्न के आधार पर किया जाएगा।
- **परियोजना चरण और विकास:**
  - प्रथम चरण में **2 गीगावाट की परियोजना विकसित की जाएगी, जिसके लिये मोरेना (म.प्र.) को** संभावित स्थल के रूप में चिन्हित किया गया है।
- **राज्य नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य:**
  - **मध्य प्रदेश: वर्ष 2030 तक 20 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता** प्राप्त करने का लक्ष्य**, जो वर्तमान 9 गीगावाट है।**
  - **उत्तर प्रदेश: वर्ष 2026-27 तक 22 गीगावाट सौर क्षमता का** लक्ष्य, जो वर्तमान **6.8 गीगावाट है।**

POWER SHARING

8 Gw pipeline to supply both states; 6 months each

UTTAR PRADESH

Apr–Sep (kharif crop season)

- **22 Gw**: Solar power target by 2026–27
- **6.8 Gw**: Current solar capacity

MADHYA PRADESH

Oct–Mar (rabi crop season)

- **20 Gw**: Solar power target by 2030
- **9 Gw**: Current RE capacity

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/upand-mp-collaborate-on-8-gw-solar-power-projects